आई.टी.टी.आर. की छात्राओं ने निकाली साम्प्रदायिक सद्भाव रैली

छात्राएं खानपुर कलां गांव में राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भावना रैली निकालती हुईं। (अरोड़ा)

गोहाना, 9 नवम्बर(अरोड़ा): खानपुर कलां गांव स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के शिक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आई.टी.टी.आर.)की छात्राओं ने शनिवार को राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव रैली निकाली। रैली के लिए मार्गदर्शन आई.टी.टी.आर. की एच.ओ.डी. डा. सुमन दलाल और डा. सरला रानी ने किया तथा संयोजन डा. अनिशा, सुशीला एवं मनोज कुमार ने किया। यह रैली खानपुर कलां गांव में वहां स्थित लाला मेघराज जिन्दल राजकीय कन्या उच्च विद्यालय रवाना हुई। रैली को हरी झंडी मुख्याध्यापिका प्रोमिला रानी और मुख्य शिक्षिका शशि भारती ने दिखाई। इस अवसर पर राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पर आधारित पोस्टर और चार्ट प्रतियोगिता भी करवाई गई।

गीता ज्ञान धारण कर आगे बढ़ें

गोहाना। कुलपति प्रो. सुषमा यादव कवि शैलजा को सम्मानित करती हुई।

October 2019 पंजाब केसरी

श्रीमद् भागवत गीता है जीवन का सार : प्रो. सुषमा यादव

गोहाना,10 अक्तूबर (अरोड़ा): श्रीमद् भागवत गीता जीवन का सार है। अगर आप चाहते हैं कि आपका जीवन कष्टों से मुक्त रहे तो गीता के ज्ञान को अपनाएं। यह बात गांव खानपुर कलां स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कही। वह गुरुवार को विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान में श्रीमद् भागवत गीता का संदेश विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला के मुख्यातिथि तमिलनाडु में कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद केंद्र से कवि शैलजा रहीं। कवि शैलजा ने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता हिंदू धर्म का सबसे पवित्र ग्रंथ है। गीता का ज्ञान मनुष्य को जीवन जीने की कला प्रदान करता है। हमें सुखी जीवन यापन के लिए गीता के ज्ञान को धारण करके आगे बढ़ना चाहिए। इस कार्यशाला के लिए संयोजन डा. सुमन दलाल का रहा। कार्यशाला में शिक्षिका अनु बल्हारा सहित अन्य शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. सुषमा यादव कवि शैलजा को सम्मानित करते हुए। (अरोड़ा)

पंजाब केसरी 26 सितम्बर 2019 गुरुवार

सिंगल यूज प्लास्टिक के पुनर्चक्रण के समझाए तरीके

आई.टी.टी.आर. की छात्राएं कार्यशाला में शिक्षकों के साथ।

दैनिक जागरण 26 सितम्बर 2019 गुरुवार

प्लास्टिक के पुनर्चक्रण की जानकारी दी

जांड, खानपुर कलां: गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च में स्वच्छ भारत अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक को पुनर्चक्रण (रिसाइकिल) करने के तरीके समझाए गए। विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुमन दलाल ने छात्राओं को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से अवगत करवाया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग का विकल्प और सिंगल यूज प्लास्टिक को पुनर्चक्रण करने के तरीकों के बारे में छात्राओं को जागरूक करना था। कार्यशाला में इंस्टीट्यूट के सहायक कल्प प्रकाश मनीज कुमार ने छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के पुनर्चक्रण संबंधी जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को पेपर बैग, पुराणी जींस और अन्य बेकार वस्त्रों से बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं को कोल्ड ड्रिंक की बेकार बोतलों से गमले, लैंप, झूमर बनाने का प्रशिक्षण भी दिया। विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुमन दलाल ने छात्राओं को प्लास्टिक के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसका उपयोग न करें।

हरिभूमि 26 सितम्बर 2019 गुरुवार

सिंगल यूज प्लास्टिक के पुनर्चक्रण की जानकारी दी

गोहाना। लाला खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय में आईटीटीआर के प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के तहत एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक को पुनर्चक्रण करने के तरीके समझाए गए और विभाग की अध्यक्ष डा. सुमन दलाल ने छात्राओं को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से अवगत करवाया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग का विकल्प तथा सिंगल यूज प्लास्टिक को पुनर्चक्रण करने के तरीकों के बारे में छात्राओं को जागरूक करना था। इस कार्यशाला में आईटीटीआर विभाग में सहायक कल्प प्रकाश मनीज कुमार ने छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक के पुनर्चक्रण संबंधी जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को पेपर बैग, पुराणी जींस तथा अन्य बेकार वस्त्रों से बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया। सहायक कल्प प्रकाश ने छात्राओं को कोल्ड ड्रिंक की बेकार बोतलों से गमले, लैंप, झूमर बनाने का प्रशिक्षण भी दिया। इस कार्यशाला में विभाग की अध्यक्ष डा. सुमन दलाल ने छात्राओं को प्लास्टिक के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसका उपयोग न करें।

गुरुनानक देव पर तैयार पोस्टर दिखाती छात्राएं। (अरोड़ा)

जीवन से सम्बद्ध शिक्षा के पक्षधर थे गुरुनानक देव : डा. दलाल

गोहाना, 8 अगस्त (अरोड़ा): सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव का मानना था कि शिक्षा ऐसी हो जो हमारे जीवन से सम्बद्ध हो। वीरवार को गांव खानपुर कलां स्थित बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में गुरुनानक देव के जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात संस्थान की चेयरपर्सन डा. सुमन दलाल ने कही।

गुरुनानक के जन्मोत्सव पर संस्थान में गुरुनानक देव के शिक्षा शास्त्र की समकालीन प्रासंगिकता विषय पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए विद्यालयों में भी आयोजित किया गया। इसमें विषय संबंधित पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। पोस्टर मेकिंग में डी.एड प्रथम वर्ष की छात्रा अनु प्रथम, बी.एड प्रथम वर्ष की छात्रा निशा द्वितीय और बी.एड प्रथम वर्ष की आरती तृतीय रही। स्लोगन लेखन में डी. एड प्रथम वर्ष की छात्रा नैंसी प्रथम और छात्रा तनु द्वितीय रही। भाषण में बी.एड प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा प्रथम, डी.एड प्रथम वर्ष की छात्रा कीर्ति द्वितीय और डी.एड प्रथम वर्ष की छात्रा तनू तृतीय रही।

हरिभूमि 26 November

गोहाना। डा. सुमन दलाल कार्यशाला में अतिथियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक शिक्षा से खुद को विकसित करें शिक्षक: वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

शिक्षकों को खुद को आधुनिक शिक्षा की तकनीक से विकसित बनाने की जरूरत है। जब वे आधुनिक शिक्षा तकनीक में पूरी तरह से निपुण होंगे तभी विद्यार्थियों का सफल मार्गदर्शन कर सकेंगे। यह बात गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय (विवि) की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहीं। वह सोमवार विवि में आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला के शुभारम्भ पर मुख्य भाषण कर रही थीं। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा महिला विवि में शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान संस्थान मे मूक विषय पर 3 दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि शिक्षक आधुनिक शिक्षण विधियों में खुद को पारंगत बनाएं। जब शिक्षक पारंगत होंगे तभी वे विद्यार्थियों का सही मार्गदर्शन कर पाएंगे। कार्यशाला में एनसीईआरटी दिल्ली से सहायक प्रो. यशपाल शर्मा ने ई-कंटेंट विकसित करने, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज का उचित प्रयोग, स्वयं पोर्टल का प्रयोग करना तथा कॉपीराइट लाइसेंस के बारे मे विस्तार से समझाया। डा. सुमन दलाल ने बताया की इस कार्यशाला में 170 से अधिक शिक्षा प्रतिभागिता कर रहे हैं। इस आयोजन में विवि में शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. इप्शिता बंसल, डा. सरला, डा. अन्नू बल्हारा और गोल्डी गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

'शिक्षक आधुनिक शिक्षण विधियों में खुद को पारंगत बनाएं'

जासं, खानपुर कलां : शिक्षकों को खुद की आधुनिक शिक्षा की तकनीक से विकसित करने की जरूरत है। जब वे आधुनिक शिक्षा तकनीक में पूरी तरह से निपुण होंगे तभी विद्यार्थियों का सफल मार्गदर्शन कर सकेंगे। यह बात गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कही। वह सोमवार को विवि में तीन दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ पर संबोधित कर रही थीं।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा महिला विवि में शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में सोमवार को मूक विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य वक्ता सुषमा ने कहा कि शिक्षक आधुनिक शिक्षण विधियों में खुद को पारंगत बनाएं। जब शिक्षक पारंगत होंगे तभी वे विद्यार्थियों का सही मार्गदर्शन कर पाएंगे। कार्यशाला में एनसीईआरटी दिल्ली से सहायक प्रो. यशपाल शर्मा ने प्राध्यापकों को ई-कंटेंट विकसित करने, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज व स्वयं पोर्टल का प्रयोग करना व कॉपीराइट लाइसेंस के बारे में बताया। डॉ. सुमन ने बताया कि कार्यशाला में 170 प्राध्यापक प्रतिभागिता कर रहे हैं। इस मौके पर विवि में शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. इप्शिता बंसल, डॉ. सरला, डॉ. अन्नू, गोल्डी आदि मौजूद रहे।

शुक्रवार हरिभूमि 26 जुलाई 2019 (102)

केंद्र सरकार की मसौदा शिक्षा नीति पर हुआ विचार-विमर्श

शिक्षा नीति ऐसी हो जो व्यक्ति को सक्षम बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

वर्षों पुराने नियमों ने व्यवस्था को जकड़ कर रखा है। व्यवस्था परिवर्तन के लिए शिक्षा नीति में बदलाव जरूरी है। शिक्षा नीति ऐसी हो जो व्यक्ति को सक्षम बनाए। यह बात गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएम महिला विवि की कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कही। वह बुधवारवार को विवि में मसौदा शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण कर रही थीं।

मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2019 पर विचार विमर्श के लिए महिला विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में देश के विभिन्न शिक्षा संस्थानों से 200 शिक्षा विशेषज्ञों ने प्रतिभागिता की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि यह शिक्षा नीति एक राष्ट्रीय विचार है। आज ऐसी शिक्षा नीति की जरूरत है जिससे सामाजिक सुरक्षा और जीवन यापन के लिए व्यक्ति को सक्षम बनाया जा सके। विद्यार्थियों में सोचने की शक्ति और उत्सुकता जागृत की जा सके। कुलपति ने मसौदा शिक्षा नीति पर पांच अहम बिंदुओं समानता, पहुंच, गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सामर्थ्य पर विचार देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुराने नियमों से व्यवस्था को जकड़ कर रखा है। व्यवस्था में परिवर्तन समय की जरूरत है जो नई शिक्षा नीति में ही संभव है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में एसएनडीपी महिला विवि मुंबई की कुलपति ने बीज व्याख्यान में शिक्षा नीति पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. सुमन दलाल, प्रो. एसपी मल्होत्रा, प्रो. एसके यादव, कुलसचिव डॉ. किरण कंबोज, प्रो. इप्शिता बंसल, डॉ. सरला और प्रिया आदि उपस्थित रहे।

गोहाना। कुलपति प्रो. सुषमा यादव को सम्मानित करते हुए शिक्षकगण। फोटो : हरिभूमि

शुक्रवार दैनिक भास्कर 26 जुलाई 2019

'उच्च शिक्षा का लक्ष्य जीवन यापन के लिए सक्षम बनाना होना चाहिए'

गोहाना | महिला विवि, खानपुर कलां में गुरुवार को शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा भारतीय शिक्षण मंडल और थिंक इंडिया के सहयोग से मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में कुलपति सुषमा यादव ने कहा कि मसौदा शिक्षा नीति एक राष्ट्रीय विचार है। इसकी उपनिवेशक विरासत से मुक्ति पाने के लिए व्यापक चर्चा करने की जरूरत है।

वर्षों पुराने नियमों ने व्यवस्था को जकड़ रखा है। इनमें अब बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए लंबे समय से नई शिक्षा नीति की जरूरत महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा उद्धार होनी चाहिए। उच्च शिक्षा का लक्ष्य सामाजिक सुरक्षा और जीवन यापन के लिए व्यक्ति को सक्षम बनाना होना चाहिए। शिक्षकों को सम्मान मिले। उनकी योग्यता के अनुरूप काम दिया जाए। शिक्षक भी अपने अंदर झांके और विद्यार्थियों में सोचने की प्रवृति व उत्सुकता जागृत करें। अपने राष्ट्र के इतिहास और गौरव का ज्ञान सभी को होना चाहिए। नई शिक्षा नीति में इन बातों पर बल दिया जाना चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा नीति में पहुंच, समानता, गुणवत्ता, विश्वसनीयता व सामर्थ्य पर सुझाव देने को कहा। इस अवसर पर एसएनडीटी महिला विवि मुंबई से पूर्व कुलपति प्रो. वसुधा कामत, डॉ. सुमन दलाल, प्रो. एसपी मल्होत्रा, प्रो. एसके यादव, कुलसचिव डॉ. किरण कंबोज, शशी यादव, प्रो. इप्शिता बंसल, सरला, प्रिया आदि उपस्थित थे।

गोहाना. कुलपति सुषमा यादव को सम्मानित करती डॉ. सुमन।

महिला विवि में हवन के साथ शैक्षणिक सत्र प्रारंभ

कुलपति प्रो. सुषमा यादव शिक्षकों और छात्राओं के साथ हवन में आहुति डालते हुए

जासं, खानपुर कलां : बीपीएस महिला विश्वविद्यालय (विवि) के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में बुधवार को शैक्षणिक सत्र 2019-20 के शुभारंभ पर हवन करवाया गया। हवन में कुलपति प्रो. सुषमा यादव समेत विभिन्न अधिकारियों ने आहुति डाली। कुलपति ने शिक्षकों से कहा कि वे अपने धर्म को ईमानदारी के साथ निभाएं। वे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और मूल्यपरक शिक्षा दें। हवन में विश्वविद्यालय के स्टाफ सदस्यों और छात्राओं ने सामूहिक आहुति डाली। अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुमन दलाल ने की। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने छात्राओं को भी संस्कारयुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डीन अकादमिक मामले प्रो. इप्शिता बंसल सहित विभाग के स्टाफ सदस्य और छात्राएं उपस्थित रहीं।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में दृष्टिकोण विषय पर संगोष्ठी

पाठ्यक्रम में इंडस्ट्री की आधुनिक तकनीक के हिसाब से बदलाव जरूरी : प्रो. मल्होत्रा

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि, खानपुर कलां में शिक्षण और सीखने में अंतः विषय दृष्टिकोण विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें देश भर से शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कुरुक्षेत्र विवि के प्रो. एसपी मल्होत्रा और एनसीईआरटी के पूर्व प्रो. एसके यादव ने संगोष्ठी का शुभारंभ किया। प्रो. मल्होत्रा ने बेरोजगार स्नातकों की बढ़ती संख्या और शिक्षा के स्तर में लगातार आ रही गिरावट पर चिंता जताई।

गोहाना . बीपीएस महिला विवि में कार्यक्रम में संबोधित करती डॉ. सुमन दलाल।

प्रो. मल्होत्रा ने कहा कि शिक्षा के प्रारूप में एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। पाठ्यक्रम में इंडस्ट्री की जरूरत और आधुनिक तकनीक के हिसाब से बदलाव की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षिक स्वतंत्रता पर भी बल दिया और कहा कि पाठ्यक्रम निर्धारण में विद्यार्थी की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। प्रो. एसके यादव ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य एक ज्ञान पूर्ण समाज का निर्माण करना होना चाहिए। इसके लिए विवि के सभी विभागों को एकीकृत प्रणाली के तहत एक मॉडल पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए, जिससे शिक्षण प्रणाली में सुधार हो सके। इस संगोष्ठी में करीब 500 शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की अध्यक्ष डॉ.सुमन दलाल, सह संयोजक सरला रानी ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. अनु बल्हारा, डॉ. रेणुका शर्मा, डॉ. अनिल बल्हारा, डॉ. आनंद, रामपाल, डॉ. रवि भूषण, डॉ. सुमित्रा, मोनिका, डॉ. रीना, डॉ. पूनम, डॉ. प्रिया ढींगरा, इंदु ठाकुर, डॉ. योगेश ठाकुर आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन डॉ.प्रिया ढींगरा, गोल्डी और इंदु ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया।

बीपीएस महिला विवि में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

आधुनिक तकनीक के दृष्टिगत पाठ्यक्रम को बदलें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

देश में फैल रही बेरोजगारी पर अंकुश लगाने के लिए आधुनिक तकनीक और इंडस्ट्री की जरूरतों के दृष्टिगत पाठ्यक्रम में बदलाव की जरूरत है। यह टिप्पणी कुरुक्षेत्र विवि के प्रो. एसपी मल्होत्रा ने व्यक्त किए। वह शुक्रवार को बीपीएस महिला विश्वविद्यालय (विवि) में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

महिला विवि के शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान संस्थान में शिक्षण और सीखने में अंतः विषय दृष्टिकोण विषय पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. एसपी मल्होत्रा ने कहा कि देश में बढ़ती बेरोजगारी को रोकने के लिए शिक्षा के प्रारूप में एकीकृत दृष्टिगत अपनाने के साथ विद्यार्थियों को शैक्षिक स्वतंत्रता जरूरी है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट वक्ता एनसीईआरटी के पूर्व प्रो. एसके यादव ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य एक ज्ञान पूर्ण समाज का निर्माण होना चाहिए। इस संगोष्ठी में 500 शोधकताओं ने अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। संगोष्ठी की अध्यक्ष डॉ. सुमन दलाल एवं सह संयोजक सरला रानी ने संगोष्ठी की परिकल्पना और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। जिससे छात्रों को अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

गोहाना। अतिथिगण दीप प्रज्ज्वलन के साथ संगोष्ठी का शुभारम्भ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संगोष्ठी की समन्वयक डॉ. अनु बल्हारा और डॉ. रेणुका शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन डॉ. प्रिया ढींगरा, गोल्डी और इंदु ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर शिक्षक मेजर डॉ. अनिल बल्हारा, डॉ. आनंद, रामपाल, डॉ. रवि भूषण, डॉ. सुमित्रा, मोनिका, डॉ. रीना, डॉ. पूनम, डॉ. प्रिया ढींगरा, श्रीमती इंदु ठाकुर, डॉ. योगेश ठाकुर आदि उपस्थित रहे।